हिंदी दैनिक खबर

हर पल, हमारी खबर

केशववाणी

रविवार 12 जुलाई 2026 बर्ष 02 अंक 181 पृष्ठ 4

www.keshavtv24.com

Email:keshavtvbihar@gmail.com

अनमोल वचन

जीवन में कभी भी संघर्ष से डरना नहीं चाहिए, क्योंकि संघर्ष ही जीवन का सार है, इसके बिना कोई भी सफलता संभव नहीं है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुरू की डिजिटल एवं पेपरलेस निबंधन प्रणाली

75 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगी होम रजिस्ट्रेशन की सुविधा

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट पटना(बिहार)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को वैशाली जिले के हाजीपुर स्थित जिला निबंधन कार्यालय में राज्य की अत्याधुनिक डिजिटल एवं पेपरलेस निबंधन प्रणाली (होम रजिस्ट्री डिजिटल सिस्टम) के तहत चार महत्वपूर्ण सेवाओं का शुभारंभ किया। इनमें होम रजिस्ट्रेशन, भूमि संबंधी ऑनलाइन जांच, पेपरलेस निबंधन तथा जीआईएस तकनीक आधारित स्थल निरीक्षण शामिल हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि अब 75 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को घर बैठे संपत्ति निबंधन (होम रजिस्ट्रेशन) की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही राज्य से बाहर रहने वाले लोगों के लिए मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से डिजिटल रजिस्ट्रेशन की सुविधा विकसित करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य आम नागरिकों के ईज ऑफ लिविंग को बेहतर बनाना तथा सरकारी सेवाओं को अधिक सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराना है।

उन्होंने सभी निबंधन कार्यालयों में आम नागरिकों के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही निबंधन से संबंधित दस्तावेज व्हाट्सएप और ई–मेल के माध्यम से उपलब्ध कराने की व्यवस्था करने पर भी जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि सरकार के निरंतर प्रयासों और वरिष्ठ नागरिकों के आशीर्वाद से बिहार के विकास को नई गति मिलेगी तथा डिजिटल सेवाओं के विस्तार से आम लोगों को अधिक सुविधा और पारदर्शिता का लाभ मिलेगा।

कान्हा शांति वनम् में द हार्ट ऑफ ए जैन पुस्तक लोकार्पण

अंतरराष्ट्रीय कॉन्क्लेव में नालंदा विश्वविद्यालय की सहभागिता

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी ने हैद. राबाद स्थित कान्हा शांति वनम् में आयोजित द हार्ट ऑफ ए जैन पुस्तक लोकार्पण समारोह एवं अंतरराष्ट्रीय कॉन्क्लेव में सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने हार्टफुलनेस के अध्यक्ष एवं विश्वप्रसिद्ध आध्यात्मिक मार्गदर्शक पूज्य दाजी (कमलेश डी.पटेल) से भेंट की तथा भारतीय ज्ञान परंपरा, मानवीय मूल्यों और सतत विकास जैसे विषयों पर सार्थक संवाद किया। प्रोफेसर चतुर्वेदी ने जैन दर्शन की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। कहा कि भगवान ऋषभदेव की शिक्षाएं नैतिक नेतृत्व, सतत विकास, अहिंसा और मानव कल्याण जैसे विषयों पर आज भी विश्व को महत्वपूर्ण दिशा प्रदान करती है। द हार्ट ऑफ ए जैन पुस्तक भगवान ऋषभदेव के दर्शन और उनकी शिक्षाओं की आधुनिक समाज में प्रासंगिकता को सारगर्भित रूप से प्रस्तुत करती है। प्रा. फेसर चतुर्वेदी ने नालंदा विश्वविद्यालय में जैन अध्ययन केंद्र (सेंटर फॉर जैन स्टडीज) स्थ. ापित करने की विश्वविद्यालय की परिकल्पना भी साझा की। कहा कि यह पहल भारतीय ज्ञान परंपरा, दार्शनिक चिंतन तथा अंतर्विषयक अनुसंधान को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगी। कान्हा शांति वनम् प्रवास के दौरान कुलपति ने पूज्य दाजी की गरिमामयी उपस्थिति में हार्टफुलनेस ध्यान सत्र में सहभागिता की तथा हार्टफुलनेस समुदाय के सदस्यों से संवाद किया। उन्होंने हार्टफुलनेस सीड साइंस लेबोरेटरी का भी अवलोकन किया और स्थानीय पौधों की प्रजातियों के संरक्षण, स्वदेशी वृक्षों के व्यापक रोपण तथा जैव विविधता को समृद्ध बनाने के उद्देश्य से किए जा रहे पारिस्थितिक पुनस्था. ंपन के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर नालंदा विश्वविद्यालय और हार्टफुलनेस के बीच भारतीय ज्ञान परंपरा, सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण तथा मानव कल्याण जैसे साझा विषयों पर सहयोग एवं विचार–विमर्श को और सुदृढ़ करने की दिशा में सार्थक संवाद हुआ।

गयाजी के बिपार्ड में विधायकों के दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम का शुभारंभ

मुख्यमंत्री बोले– सक्षम विधायक, सशक्त विधानसभा समृद्ध बिहार की आधारशिला

केशववाणी कुमार अभिषेक की रिपोर्ट पटना(बिहार)। गयाजी स्थित बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान (बिपार्ड) में शनिवार को बिहार विधानसभा के माननीय सदस्यों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम का शुभारंभ भारत के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन तथा बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि सक्षम विधायक, सशक्त विधानसभा ही समृद्ध बिहार की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि जनता ने अपने प्रतिनिधियों को अपनी आवाज़ बनाकर सदन में भेजा है, इसलिए जनहित के मुद्दों को पूरी तैयारी, तथ्यों और प्रभावी ढंग से सदन में उठाना प्रत्येक विधायक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में सत्ता और विपक्ष दोनों की समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने आधुनिक तकनीक और आर्टिफिशियल इंटे. लिजेंस (एआई) के उपयोग को समय की आवश्यकता बताते हुए कहा कि इससे शासन व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ेगी, निर्णय प्रक्रिया अधिक प्रभावी होगी और प्रशासनिक कार्यों में दक्षता आएगी।अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि 15 जुलाई से बिहार के विभिन्न प्रखंडों में 213 नए डिग्री कॉलेजों की शुरुआत की जाएगी।

उन्होंने कहा कि इस पहल से राज्य के युवाओं को अपने क्षेत्र के निकट ही उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे और शिक्षा के क्षेत्र में बिहार को नई मजबूती मिलेगी।

नालंदा खुला विश्वविद्यालय में नए सत्र के लिए नामांकन शुरू,

एमसीए की 140 सीटों पर लिखित परीक्षा से होगा चयन

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। नालंदा खुला विश्वविद्यालय (एनओयू) में शैक्षणिक सत्र 2026–27 के विभन्नि स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा और प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों में नामांकन प्रक्रिया शुरू है। अभ्यर्थी 10 अगस्त तक वश्विवद्यिालय की आधिकारिक एनओयू की वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। छात्र विश्वविद्यालय के केवल अधिकृत पोर्टल के माध्यम से ही आवेदन करें। विश्वविद्यालय में बीसीए, पोस्ट ग्रेजुएट डप्लिोमा, एमएलआईएस, बीएलआईएस तथा चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के प्रथम सेमेस्टर में नाम. ांकन लिया जा रहा है। इसके अलावा स्नातकोत्तर स्तर पर अर्थशास्त्र, शक्षिा, भूगोल, हिंदी, लोक प्रशासन, गृह विज्ञान, उर्दू, संस्कृत, इतिहास, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, पत्रकारिता एवं जनसंचार, वनस्पति विज्ञान, गणित, भौतिकी, रसायनशास्त्र और जंतु विज्ञान सहित कई विषयों में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए यह एक बेहतर अवसर है। एमसीए पाठ्यक्रम की कुल 140 सीटों पर प्रवेश लिखित परीक्षा के आधार पर तैयार मेधा सूची से होगा। इसके लिए भी अभ्यर्थियों को 10 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन करना होगा। परीक्षा की तिथि, समय और परीक्षा केंद्र की जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध करायी जाएगी। पंजीकृत अभ्यर्थियों के ई–मेल पर भी इसकी जानकारी भेजी जाएंगी। कुलसचिव डॉ. अभय कुमार सिंह ने बताया कि सभी पाठ्यक्रमों की विस्तृत विवरणी, पात्रता, शुल्क और आवेदन प्रक्रिया विश्वविद्यालय के पोर्टल पर उपलब्ध है। उन्होंने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे किसी अनधिकृत वेबसाइट या लिंक का उपयोग न करें और केवल विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट एनओयू डॉट एसी डॉट इन पर उपलब्ध लिंक से ही आवेदन करें।

छात्राओं को शुल्क में 25 फीसदी छूट

उन्होंने बताया कि उच्च शिक्षा को अधिक सुलभ बनाने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय ने छात्राओं को नामांकन शुल्क में 25 प्रतिशत की विशेष छूट देने का नर्णिय लिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन को उम्मीद है कि इस सुविधा से अधिक संख्या में छात्राएं दूरस्थ शिक्षा से जुड़कर अपनी पढ़ाई आगे बढ़ा सकेंगी और उच्च शिक्षा पा सकेंगी। साथ ही कामकाजी युवाओं, गृहिणियों और नियमित कॉलेज नहीं जा पाने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह नामांकन प्रक्रिया लाभदायक साबित होगी। उन्होंने सभी इच्छुक युवाओं व छात्रों से 10 अगस्त तक आवेदन करने की अपील की है।

Mob:- 9931909825, 7004010773 Abhishek Kr. (Reporter)
8271042705, 9546290822 (Pankaj Sale & Service)

अजन्ता मैरेज हॉल

यहाँ AC एवं NON AC HALLS की सुविधा उपलब्ध है।

नोटः- हमारे यहाँ शादी-विवाह, रिंग सेरेमणि, रिसेप्शन, वर्थ-डे पार्टी सेमिनार, मीटिंग एवं अन्य अवसर के लिए उत्तम व्यवस्था है।

पताः- मिलपर, कॉलेज & रेलवे स्टेशन रोड नूरसराय (नालन्दा)

अपने क्षेत्र के खबर भेजने या विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें

7033325120,9931609015

डीएम उदिता सिंह ने किया बावन बूटी कार्यक्रम का शुभारंभ कहा– राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ना प्राथमिकता

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट
बिहारशरीफ (नालंदा)। नालंदा की जिला पदाधिकारी श्रीमती उदिता सिंह ने शनिवार को बिहारशरीफ प्रखंड के बसवनबिगहा में आयोजित बावन बूटी कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों का हरित पौधा एवं अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत एवं सम्मान के साथ हुई। इस अवसर पर बुनकर, शिल्पकार, नाबार्ड के पदाधिकारी तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में जिला पदाधिकारी ने सभी अतिथियों, बुनकरों एवं शिल्पकारों का स्वागत करते हुए कहा कि नालंदा की प्रसिद्ध बावन बूटी हस्तशिल्प कला को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्हा.ने कहा कि जिला प्रशासन इस दिशा में हरसंभव प्रयास करेगा, ताकि बावन बूटी उत्पादों के लिए जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर बिक्री एवं प्रदर्शन की समुचित व्यवस्था की जा सके। उन्होंने कहा कि उत्पादों की सबसे बड़ी चुनौती मार्केटिंग है। केवल बिक्री ही नहीं, बल्कि उत्पादों का प्रभावी प्रदर्शन भी आवश्यक है। पर्यटन स्थलों पर ऐसे प्रदर्शनी केंद्र विकसित किए जाने चाहिए, जहां पर्यटक उत्पाद खरीदने के साथ–साथ उसके निर्माण की पूरी कहानी भी जान सकें। प्रत्येक उत्पाद के साथ उसकी विशेषता, निर्माण में लगा समय, कारीगर का परिचय, प्रयुक्त सामग्री, रंगों की जानकारी तथा उससे जुड़ी स्थानीय सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि भी प्रदर्शित की जानी चाहिए, ताकि खरीदार उस उत्पाद से भावनात्मक रूप से जुड़ सकें। जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी स्थानीय उत्पाद को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने में उसकी कहानी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने बुनकरों से अपने उत्पादों में नालंदा की सांस्कृतिक विरासत और स्थानीय पहचान को प्रमुखता देने का आग्रह किया। साथ ही प्रत्येक बावन बूटी उत्पाद पर क्यूआर कोड अंकित करने का सुझाव दिया, जिससे खरीदार उत्पाद की निर्माण प्रक्रिया, कारीगर, प्रयुक्त सामग्री और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकें।

उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म और डिजिटल इन्फ्लुएंसर्स के माध्यम से बावन बूटी उत्पादों का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जा सकता है। उत्पादों की गुणवत्ता की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर प्रशासन वित्तीय सहयोग उपलब्ध कराने का भी प्रयास करेगा, ताकि इस पारंपरिक शिल्प का उत्पादन, विपणन और प्रचार–प्रसार और अधिक व्यापक हो तथा यह नालंदा की विशिष्ट पहचान के रूप में स्थापित हो सके। इस अवसर पर नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक ने बताया कि जीआई टैग प्राप्त होने के बाद सभी बुनकरों को उससे जोड़ा जाएगा, ताकि वे जीआई टैग का वैधानिक रूप से उपयोग कर सकें। उन्होंने कहा कि बावन बूटी उत्पादों को विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाएंगे। साथ ही क्षेत्र में धागा उत्पादन इकाई स्थापित करने की संभावनाओं का भी परीक्षण किया जाएगा, जिससे बुनकरों को स्थानीय स्तर पर बेहतर सुविधाएं मिल सकें।कार्यक्रम के दौरान बुनकरों की ओर से नीतू कुमारी, सूरज देव, मणिकांत कुमार सहित अन्य प्रतिनिधियों ने अपनी समस्याएं एवं सुझाव साझा किए। उन्होंने बताया कि उत्पादों की मार्केटिंग सबसे बड़ी चुनौती है और स्थायी बाजार उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है। बुनकरों ने बावन बूटी कला के संरक्षण, नई पीढ़ी को प्रशिक्षण देने, अस्पतालों, रेलवे तथा अन्य सरकारी संस्थ.ानों में इन उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने तथा प्रमुख पर्यटन स्थलों एवं राज्य के प्रतिष्ठित होटलों में बिक्री एवं प्रदर्शन के लिए स्थायी स्थान उपलब्ध कराने की मांग की। जिला पदाधिकारी ने बुनकरों के सभी सुझावों को गंभीरता से लेते हुए आश्वासन दिया कि व्यवहारिक एवं जनहित से जुड़े सभी प्रस्तावों पर सकारात्मक रूप से विचार कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

जनता दरबार में जिलाधिकारी ने सुनीं 26 आवेदकों की समस्याएं, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

केशववाणी गुड्डू कुमार की रिपोर्ट
कतरीसराय (नालंदा)। नालंदा की जिला.धिकारी श्रीमती उदिता सिंह ने शनिवार को आयोजित दैनिक जनता दरबार में 26 आव.`दकों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित निष्पादन के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। जनता दरबार में हरगावां पैक्स में जमा किए गए धान का भुगतान नहीं मिलने तथा धान प्राप्त करने से इनकार किए जाने से संबंधित शिकायत पर जिलाधिकारी ने अपर समाहर्ता एवं जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, नालंदा को मामले की जांच कर शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। अतिक्रमण नहीं हटाए जाने की शिकायत पर भी जिलाधिकारी ने अपर समाहर्ता एवं जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जमीन पर अवैध कब्जा कर चहारदीवारी निर्माण किए जाने से संबंधित मामले में भी जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को जांच कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।शस्त्र लाइसेंस निर्गत करने से संबंधित आवेदन पर जिलाधिकारी ने जिला शस्त्र दंडाधिकारी, नालंदा को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अलावा जनता दरबार में प्राप्त अन्य सभी आवेदनों पर भी जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को शीघ्र एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

हरनौत में वार्ड पार्षद समेत दो फरार अभियुक्तों के घर कुर्की–जब्ती

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट
हरनौत (नालंदा)। हरनौत थाना क्षेत्र के हरनौत बाजार में शनिवार को पुलिस ने फरार चल रहे दो अभियुक्तों के घरों पर कोर्ट के आदेश के तहत कुर्की–जब्ती की कार्रवाई की। इस दौरान पूरे बाजार में भारी संख्या में पुलिस बल की मौजूदगी से लोगों में हलचल रही, जबकि कई मनचले युवक भी सतर्क नजर आए। कुर्की–जब्ती की कार्रवाई का नेतृत्व बिहारशरीफ सदर एसडीपीओ–2 संजय कुमार जायसवाल ने किया। उनके साथ नूरसराय सर्किल इंस्पे.क्टर मनीष भारद्वाज, हरनौत थानाध्यक्ष इंस.पेक्टर मुकेश कुमार वर्मा समेत बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहे। थानाध्यक्ष इंस्पे.क्टर मुकेश कुमार वर्मा ने बताया कि न्यायालय से प्राप्त आदेश के आलोक में हरनौत नगर पंचायत के वार्ड संख्या–14 के वार्ड पार्षद अनिल कुमार तथा हरनौत बाजार निवासी नीतीश कुमार के घर पर कुर्की–जब्ती की कार्रवाई की गई। दोनों अभियुक्त लंबे समय से फरार चल रहे थे।पुलिस ने स्पष्ट किया कि फरार अभियुक्तों के खिलाफ न्यायालय के निर्देशानुसार आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

अपने क्षेत्र के खबर भेजने या विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें
7033325120,9931609015

नालंदा पुलिस की बड़ी कार्रवाई: एसटीएफ और जिला पुलिस ने अवैध मिनी गन फैक्ट्री का किया भंडाफोड़, हथियार बनाने वाला गिरफ्तार

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट (नालंदा)। एसटीएफ और नालंदा जिला पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में अवैध हथियार बनाने वाली मिनी गन फैक्ट्री का सफलतापूर्वक उद्भेदन किया गया है। पुलिस ने मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार करते हुए देशी कट्टा, हथियार बनाने के उपकरण और कई मशीनें बरामद की हैं। पुलिस को 10 जुलाई 2026 को गुप्त सूचना मिली थी कि इस्लामपुर थाना क्षेत्र के सुहावनपुर सुढ़ी गांव में अवैध रूप से आग्नेयास्त्र तैयार किए जा रहे हैं। सूचना के आधार पर इस्लामपुर थाना, एसटीएफ और क्ब् की संयुक्त टीम ने विशेष छा. पेमारी अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान रमण विश्वकर्मा के मकान सह लोहे का गेट और खिड़की बनाने वाले कारखाने की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान पुलिस ने अवैध हथियार बनाने का पूरा सेटअप बरामद कर लिया। कार. र्वाई के दौरान पुलिस ने एक तैयार देशी कट्टा, कट्टा बनाने में उपयोग होने वाले स्प्रिंग, हैमर, एल आकार का लोहे का पार्ट, तीन ड्रिल मशीन, दो ग्राइंडर मशीन, दो बेंच मशीन, एक आर्क वेल्डिंग मशीन, 20 किलोग्राम का फोर्जिंग वेट, भट्ठी में हवा देने वाली मशीन, बड़ा कटर, बड़ा ड्रिल मशीन, एक जनरेटर तथा एक रियलमी कंपनी का मोबाइल फोन बरामद किया। मौके से गिरफ्तार आरोपी की पहचान 46 वर्षीय रमण विश्वकर्मा, पिता स्वर्गीय अर्जुन विश्वकर्मा, निवासी सुढ़ी, थाना इस्लामपुर, जिला नालंदा के रूप में हुई है।इस संबंध में इस्लामपुर थाना कांड संख्या 348/26 दर्ज करते हुए आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी कितने समय से अवैध हथियार बना रहा था, किन लोगों को हथियारों की आपूर्ति करता था और इस नेटवर्क में उसके साथ और कौन–कौन लोग शामिल हैं।

इस सफल कार्रवाई में इस्लामपुर थाना के अपर थानाध्यक्ष राम कुमार पाल, पुलिस पदाधिकारी शफीउल्लाह अंसारी, अरुण कुमार राय, रामाश्रय कुमार सहित एसटीएफ क्प् और इस्लामपुर थाना के कई पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। नालंदा पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध हथियार निर्माण और तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा ऐसे कारोबार में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

हरनौत में जनता दरबार ,12 मामलों की सुनवाई, 7 भूमि विवादों का हुआ निष्पादन

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट हरनौत(नालंदा)। हरनौत अंचल कार्यालय में शनिवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। इसकी नेतृत्व नव पदास्थापित सीओ रीता कुमारी ने की।नये सीओ रीता कुमारी ने बताया कि दरबार में भूमि विवाद एवं अन्य मामलों से जुड़े कुल 12 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 7 मामलों का आपसी सहमति से त्वरित निष्पादन किया गया।सुनवाई के दौरान सीओ ने दोनों पक्षों के दस्तावेजों की जांच कर मामलों का समाधान कराया। शेष 5 मामलों की सुनवाई के लिए अगली तिथि निर्धारित की गई। अधिकारियों ने पक्षकारों को समझौते का पालन करने तथा शांति व्यवस्था बनाए रखने की हिदायत दी।जनता दरबार में लोग जमीन विवाद,दाखिल–खारिज, परिमार्जन, भूमि सीमांकन और अवैध कब्जे से जुड़े आवेदन लेकर पहुंचे थे। सीओ ने राजस्व कर्मचारियों को निर्देश दिया कि निष्पादित मामलों में 15 दिन के अंदर आदेश का अनुपालन सुनिश्चित कराएं। इस दौरान राजस्व पदाधिकारी रीतु रिमझिम,सीआई रामानंद प्रसाद,मनीष के आलावा कई फरियादी उपस्थित थे।

एनसीवीटी के निर्देशन में आईटीआई कल्याण बिगहा में फर्स्ट एवं सेकेंड इयर का प्रायोगिक परिक्षा संपन्न, 250 परिक्षार्थी हुए शामिल

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट हरनौत(नालंदा)। एनसीवीटी के निर्देशन में हरनौत प्रखंड के कल्याण बिगहा स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान(आईटीआई) में चल रहे 2023–25 सत्र के द्वितीय वर्ष और 2025–27 के प्रथम वर्ष का प्रायोगिक परीक्षा शुक्रवार को शांति पूर्वक संपन्न हो गया। अंतिम दिन परीक्षा समाप्त होने के बाद परीक्षा देने आए परीक्षार्थियों में काफी उत्साह देखा गया।कई अभ्यर्थियों ने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि प्रश्नपत्र संतुलित था तथा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुरूप तैयार किया गया था।इस दौरान परीक्षा में प्रतिनियुक्त उड़न दास्तां में हरनौत श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी(एलईओ) चांदनी रस्तोगी ,निदेशालय से सहायक निदेशक सुनील कुमार तथा मजिस्ट्रेट के रूप में प्रतिनियुक्त हरनौत अंचल कार्यालय के अमीन उपेंद्र कुमार ने निरिक्षण किया।वहीं आईटीआई के प्राचार्य ई राशेष रंजन ने बताया कि बीते छः और सात जुलाई को फर्स्ट ईयर का एवं नौ व दस जुलाई को सेकेंड इयर की प्रायोगिक परीक्षा ली गई। उन्होंने कहा कि नालंदा जिले में पांच सरकारी(आईटीआई कल्याण बिगहा, आईटी आई सरमेरा, महिला आईटीआई बिहारशरीफ, आईटीआई राजगीर एवं आईटीआई हिलसा) एवं 83 निजी आईटीआई संस्थान है। जिसमें दो निजी आईटीआई (आरएलएस एवं गौतम) सहित एक सरकारी आईटीआई के इलेक्ट्रिशियन,फीटर, टर्नर, मैकेनिस्ट, मेकेनिकल डीज़ल, इलेक्ट्रॉनिक,सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी प्रणाली रखरखाव(आईसीटीएसएम),सीटीएसएम आदि ट्रेड के छात्र–छात्राओं ने यहां प्रायोगिक परीक्षा दी। जिसमें फर्स्ट एवं सेकेंड इयर में तकरीबन 250 परिक्षार्थी शामिल थे। उन्होंने कहा कि यहां प्रायोगिक परीक्षा(सुबह नौ बजे से शाम छह बजे तक) ली गई। उन्होंने कहा कि आई. टीआई की परीक्षा में हर साल नकल और पर्चा लीक रोकने के लिए श्रम संसाधन विभाग (बिहार) ने केंद्र को ऑनलाइन परीक्षा लेने का प्रस्ताव दिया था।जिसको लेकर केके यूनिवर्सिटी बिहारशरीफ परिसर में जिले के सभी आईटीआई संस्थान के छात्रों का कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) ली जा रही है।जो बहुविकल्पीय प्रश्न(एमसीक्यू) है। प्राचार्य ने बताया कि प्रायोगिक परीक्षा एवं सीबीटी परिक्षा राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीटी)के निर्देशन में चल रही है।

जिले में अपराधियों बलात्कारियों के बोलबाला–माले

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट बिहार शरीफ (नालंदा)। भाकपा माले बिहार शरीफ ग्रामीण प्रभारी सुनील कुमार के नेतृत्व में लोकल कमेटी के सचिव ब्रजकिशोर प्रसाद, अजय मांझी,डुमरामा ब्रांच सचिव सरोज देवी , ब्रांच सचिव टुनटुन माझी ,निर्माण मजदूर के नेता श्रवण कुमार छह सदस्य जांच टीम दीपनगर थाना कांड संख्या 385/26 के महादलित पीड़ित परिवार से जाकर मुलाकात किया और पीड़ित परिवार को हर संभव मदद करने का वादा किया। जांच में पाया गया कि महादलित परिवार के तीन नाबालिक बच्ची सोच के लिए शाम में खेत में गया था,आने वक्त नगमा के दो अपराधी प्रवृत्ति के नौजवान एक बच्चे को घेर कर पकड़ लिया और झाड़ी में ले जाकर सामूहिक बलात्कार किया गया और बताने पर जान करने का धमकी देकर बच्ची को भयभीत किया गया। परिवार के और मोहल्ले के लोग भी काफी भयभीत हैं उन्हें लगता है कि अपराधी जेल से आने के बाद हम लोगों को जान मार देगा। जांच दल के नेतृत्वकर्ता सुनील कुमार ने कहा कि इस केस में स्पीडी ट्रायल चलाकर सभी दोषियों को कठोर से कठोर सजा दिया जाए और पीड़ित परिवार को मोहल्लेवासी को सुरक्षा की गारंटी किया जाए। जिले में अपराधियों सामंतो मनचलों का काफी मनोबल बढ़ चुका है लगातार हत्या और उत्पीड़न का घटना देखा जा रहा है। प्रशासन रोकने में फिसड्डी साबित हो रहे हैं। दीपनगर कांड संख्या 575/25 जो माले नेता अजय मांझी पर के के कॉलेज के पास प्रयागपुर में अपराधियों द्वारा जानलेवा हमला किया गया जिसमें अजय मांझी का हाथ टूट गया था उसका भी अपराधी को आज तक गिरफ्तार नहीं किया गया इससे अपराधियों का मनोबल बढ़ते जा रहा है। इन सब सवालों को लेकर भाकपा माले के द्वारा 13 जुलाई 2026 को जिला कार्यालय कमरुद्दिनगंज से हॉस्पिटल मोड तक विरोध मार्च किया जाएगा।

प्रथम वर्गीय पशु चिकित्सालय भवन का निर्माण कार्य नहीं हुआ निर्धारित समय में पूर्ण

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट, हरनौत (नालंदा)। हरनौत प्रखंड के तेलमर में प्रथम वर्गीय पशु चिकित्सालय का भवन निर्माण कार्य इन दिनों धीमी गति से चल रहा है। इस भवन का निर्माण कार्य एजेंसी बिहार राज भवन निर्माण निगम लिमिटेड (परियोजना पर्यावरण इकाई,पटना) पटना है। जबकि निर्माण कार्य का ठेका टुडे इलेक्ट्रिकल सर्विस नामक कंपनी को मिला है। निर्माण स्थल पर लगे बोर्ड के अनुसार इस भवन का निर्माण कार्य 92 लाख 91 हजार 342 रुपए की लागत से बीते 24 अप्रैल 2025 से शुरूआत की गई थी।जिसे 19 अक्टूबर 2025 तक कार्य पूर्ण करना था लेकिन फिलहाल निर्माण कार्य पूर्ण नहीं हो सका है।भवन में फिनिशिंग का कार्य किया जा रहा है।परिसर का समतलीकरण जोर–शोर से किया जा रहा है।अगर निर्धारित समय में कार्य पूर्ण हो जाता तो एक हीं छत के नीचे लोगों को सुविधा उपलब्ध कराई जाती। ये प्रथम वर्गीय पशु चिकित्साल का भवन जी प्लस बनकर तैयार है मगर फिनिशिंग अभि बाकि है।इसमें ग्राउंड फ्लोर पर डॉक्टर चौम्बर, लैब, स्टोर रूम सहित अन्य कमरे में बनेगी। निर्माणधीन भवन के ठीक पीछे मवेशियों का ईलाज करने के लिए एक शेड भी बनाया जा रहा है।जबकि फर्स्ट फ्लोर पर पशु चिकित्स के रहने के लिए बेडरूम, डायनिंग हॉल, किचेन, बाथरूम व अन्य रूम की सुविधा होगी।अगर यह भवन ससमय पूर्ण कर लिया जाता तो हरनौत और कल्याण बिगहा में स्थित पशु चिकित्सालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती।ग्रामीण इलाकों के लोगों को 24 घंटे पशुओं के उपचार की सुविधा दी जाती।निर्माण कार्य पुर्ण नहीं होने से पशुपालकों में काफी नाराजगी है। वहीं तेलमर सहित अन्य गांव के पशुपालकों का कहना है कि फिलहाल किराए के मकान में बरसों से यह अस्पताल संचालित की जा रही है लेकिन अपना अस्पताल भवन स्वीकृति मिलने के बाद भी निर्धारित समय में पूर्ण नहीं होना पाना दुर्भाग्य की बात है।उन्होंने संवेदक पर लापरवाही का आरोप लगाया है। वहीं अस्पताल के चिकित्सक डॉ श्वेता रानी का कहना है कि आगामी दो महीने में पूर्ण होने की संभा. वना है। उन्होंने कहा कि हमारे अलावा दो अन्य स्टाफ(नाईट गार्ड एवं उनके परिचारी) फिलहाल 1000 रूपये के किराए के मकान में पशुपालकों के मवेशी को सेवा दी जा रही है।

मुंशी ने ठेकेदार पर लगाया आरोप

परिसर में मिट्टी भराई,जी प्लस वन भवन ,मवेशियों का ईलाज करने के लिए एक शेड, चारदीवारी,परिसर में समतलीकरण आदि कार्य जारी है। वहीं निर्माण स्थल पर मौजूद मुंशी सहित अन्य लोगों ने बताया कि तकरिबन डेढ़ वर्ष से टुडे इलेक्ट्रिकल सर्विस के मालिक को हमलोग को रुपए नहीं दिए गए हैं। इसमें मुंशी का मजदूरी, हार्डवेयर दुकानदार के बालू,सिमेंट आदि तथा मिट्टी भराई का राशि शेष है।कहने पर टाल दिया जा रहा है।फोन भी नहीं रिसिव करते हैं। उन्होंने ठेकेदार पर आरोप लगाते हुए कहा कि कहीं ऐसा न हो कार्य पूर्ण कराकर नौ–दो ग्यारह हो जाए। हालांकि इस संबंध में अस्पताल के चिकित्सक डॉ स्वेता रानी ने कहा कि ये जानकारी हमारी संज्ञान में नहीं है।इसका समाधान संभावित विभाग हीं करा सकते हैं।

उर्वरकों की कालाबाजारी पर होगी कड़ी कार्रवाई, एमआरपी से अधिक कीमत वसूलने वालों का लाइसेंस होगा रद्द : जिला कृषि पदाधिकारी

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट, बिहारशरीफ (नालंदा)। जिले में किसानों को निर्धारित दर पर गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराने तथा कालाबाजारी एवं अनियमितताओं पर रोक लगाने को लेकर शुक्रवार को जिला कृषि पदाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी उर्वरक कंपनियों के क्षेत्रीय प्रबंधक, थोक एवं खुदरा उर्वरक विक्रेता, अनुमंडल कृषि पदाधिक. ारी तथा प्रखंड कृषि पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में खरीफ मौसम के दौरान किसानों को समय पर एवं सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य पर उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। जिला कृषि पदा. धिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिले में किसी भी परिस्थिति में उर्वरकों की बिक्री अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) से अधिक दर पर नहीं की जाएगी। यदि कोई विक्रेता निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत वसूलता है, कालाबाजारी करता है या कृत्रिम अभाव उत्पन्न करता है, तो उसके विरुद्ध उर्वरक (नियंत्रण) आदेश एवं प्रचलित नियमों के तहत कड़ी कार्रवाई करते हुए विक्रय अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) निलंबित अथवा रद्द कर दी जाएगी। उन्होंने उर्वरक कंपनियों के क्षेत्रीय प्रबंधकों एवं थोक विक्रेताओं को यह भी निर्देश दिया कि उर्वरकों के साथ सूक्ष्म पोषक तत्व, कीटनाशक, जैव उत्पाद अथवा अन्य कृषि सामग्री की अनिवार्य टैगिंग (Tagging) नहीं की जाएगी। किसानों को किसी भी अन्य उत्पाद की खरीद के लिए बाध्य करना पूरी तरह नियमों के विरुद्ध है। इस प्रकार की शिकायत मिलने पर संबंधित कंपनी एवं विक्रेता के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।बैठक में अनुमंडल एवं प्रखंड कृषि पदाधिकारियों को अपने–अपने क्षेत्रों में उर्वरक विक्रेताओं की नियमित जांच करने का निर्देश दिया गया। साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि सभी विक्रेता स्टॉक एवं मूल्य सूची का प्रदर्शन करें, निर्धारित दर पर उर्वरकों की बिक्री करें तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता न होने दें। शिकायत मिलने पर तत्काल जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया गया।जिला कृषि पदाधिकारी ने किसानों से अपील की कि वे केवल अधिकृत एवं लाइसेंसधारी विक्रेताओं से ही उर्वरक खरीदें और खरीद के समय अनिवार्य रूप से कैश मेमो प्राप्त करें। यदि कोई विक्रेता निर्धारित मूल्य से अधिक राशि वसूलता है, उर्वरक के साथ अन्य उत्पाद खरीदने के लिए बाध्य करता है अथवा कालाबाजारी करता है, तो इसकी सूचना तत्काल संबंधित प्रखंड कृषि पदाधिकारी, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी या जिला कृषि कार्यालय को दें, ताकि दोषियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई की जा सके। बैठक में बताया गया कि वर्तमान में जिले में उर्वरकों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और किसानों को घबराने या अनावश्यक भंडारण करने की आवश्यकता नहीं है। जिले में वर्तमान समय में 11,538.28 मीट्रिक टन यूरिया, 2,083.10 मीट्रिक टन डीएपी, 743 मीट्रिक टन एमओपी , 6,960.40 मीट्रिक टन एनपीके तथा 7,933.28 मीट्रिक टन एसएसपी उपलब्ध है। आवश्यकता के अनुसार उर्वरकों की आपूर्ति लगातार की जा रही है। बैठक के अंत में जिला कृषि पदाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों, कंपनियों एवं विक्रेताओं को किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथ. मिकता देते हुए उर्वरकों का पारदर्शी, सुचारु एवं नियमसम्मत वितरण सुनिश्चित करने तथा शासन के सभी निर्देशों का अक्षरशः पालन करने का निर्देश दिया।

प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर नालंदा में जिलास्तरीय कार्यशाला आयोजित

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट, बिहारशरीफ (नालंदा)। प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना के अंतर्गत संचालित प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर शुक्रवार को नालंदा समाहरणालय में जिलाधिकारी उदिता सिंह की अध्यक्षता में जिलास्तरीय एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यशाला में जिला एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारियों, विकास मित्रों तथा संबंधित कर्मियों को प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत चयनित गांवों में कराए जाने वाले सर्वेक्षण, आध. ारभूत आंकड़ों के संग्रहण तथा विभाग द्वारा विकसित मोबाइल ऐप के माध्यम से ऑनलाइन डेटा अपलोड करने की प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में जिला कल्याण पदा. धिकारी योगेंद्र कुमार ने बताया कि नालंदा जिले के परवलपुर प्रखंड को छोड़कर शेष 19 प्रखंडों की 77 ग्राम पंचायतों के 102 गांवों का चयन प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत किया गया है। उन्होंने बताया कि योजना का उद्देश्य चयनित गांवों का समग्र विकास करते हुए उन्हें सभी आवश्यक आधारभूत सुविधाओं से सुसज्जित करना है। इसके लिए 10 प्रमुख डोमेन के अंतर्गत 50 मॉनिटरिंग संकेतक (इंडिकेटर) निर्धारित किए गए हैं। इनमें पेयजल, शौचालय, विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में शौचालय निर्माण, नाली निर्माण, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, बालक–बालिकाओं का विद्यालयों में नामांकन, शिक्षा स्तर का आकलन, स्वास्थ्य एवं पोषण, आपातकालीन एंबुलेंस सुविधा, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, ग्रामीण सड़क एवं आवास, आंतरिक सड़कों का निर्माण, विद्युत एवं एलईडी सुविधा, गैस कनेक्शन, सोलर एवं स्ट्रीट लाइट, कृषि पद्धतियों का विकास, सॉयल हेल्थ कार्ड तथा जल संरक्षण जैसे कार्य शामिल हैं। जिला कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि प्रत्येक चयनित गांव के सर्वांगीण विकास के लिए 20 लाख रुपये से एक करोड़ रुपये तक की राशि उपलब्ध कराई जाएगी। वहीं, नवचयनित गांवों के लिए केंद्र सरकार की ओर से प्रति गांव 21 लाख रुपये दिए जाएंगे। इसमें 20 लाख रुपये विकास कार्यों पर तथा शेष एक लाख रुपये तकनीकी सहायता, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण, जागरूकता एवं प्रचार–प्रसार जैसे प्रशासनिक कार्यों पर खर्च किए जाएंगे।उन्होंने बताया कि योजना के तहत ऐसे गांवों का चयन किया गया है, जहां अनुसूचित जाति की आबादी 40 प्रतिशत से अधिक अथवा कम से कम 500 अनुसूचित जाति की जनसंख्या है। योजना के प्रभावी संचालन के लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय मूल्यांकन–सह–अभिसरण समिति तथा संबंधित पंचायतों के मुखिया की अध्यक्षता में ग्राम स्तरीय समिति का गठन किया जा चुका है। चयनित सभी गांवों में सर्वेक्षण दल भी गठित किए गए हैं। अध्यक्षीय संबोधन में जिलाधिकारी उदिता सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सर्वेक्षण कार्य निर्धारित समय–सीमा के भीतर पूरी पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ संपन्न करें तथा समेकित प्रतिवेदन समय पर उपलब्ध कराएं, ताकि आगे की कार. ंवाई निर्धारित समय पर सुनिश्चित की जा सके। कार्यशाला में उप विकास आयुक्त, निदेशक डी. आरडीए, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी, सहायक निदेशक (सामाजिक सुरक्षा कोषांग), जिला योजना पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं, 19 प्रखंडों के प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी एवं चयनित गांवों के सर्वेक्षण दल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यशाला से जुड़े।

अपने क्षेत्र के खबर भेजने या विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें
7033325120,9931609015